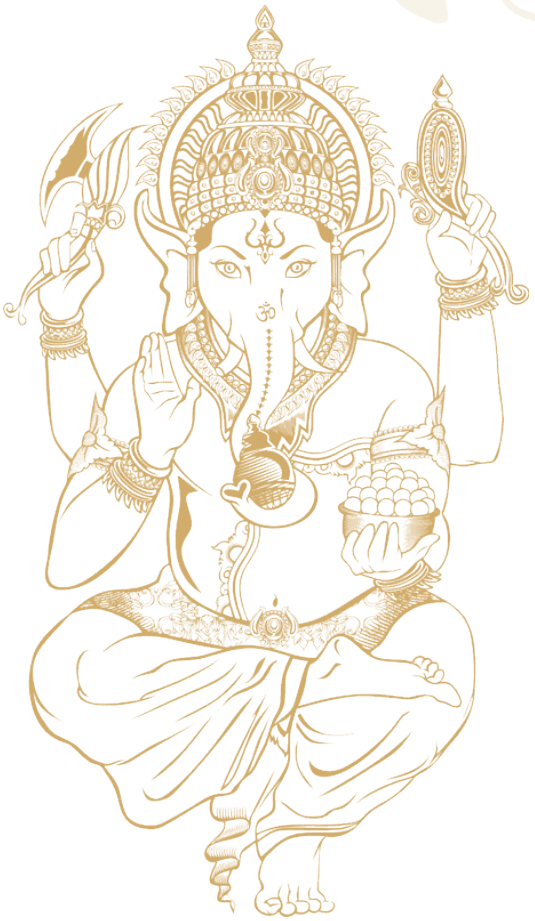

13 Feb 1993

08:20 AM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121375706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/02/1993**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:20:00 घंटे**
इष्ट	03:35:59 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:53:00 उत्तर
रेखांश	79:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:07:04 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	17:39:41 घंटे
सूर्योदय	06:53:36 घंटे
सूर्यास्त	18:01:03 घंटे
दिनमान	11:07:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:38:53 कुम्भ
लग्न के अंश	28:58:22 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	28:58:22	514:57:44	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	00:38:53	01:00:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	24:22:12	13:33:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल	व		मिथु	14:56:24	00:01:40	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
बुध			कुंभ	15:38:27	01:39:21	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कन्या	20:34:05	00:02:51	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	14:58:49	00:44:49	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मक	27:34:49	00:07:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	25:22:52	00:00:30	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	25:22:52	00:00:30	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
हर्ष			धनु	26:22:27	00:03:06	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
नेप			धनु	26:09:44	00:01:57	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	01:42:08	00:00:29	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			धनु	01:34:30	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:57

लग्न-चलित

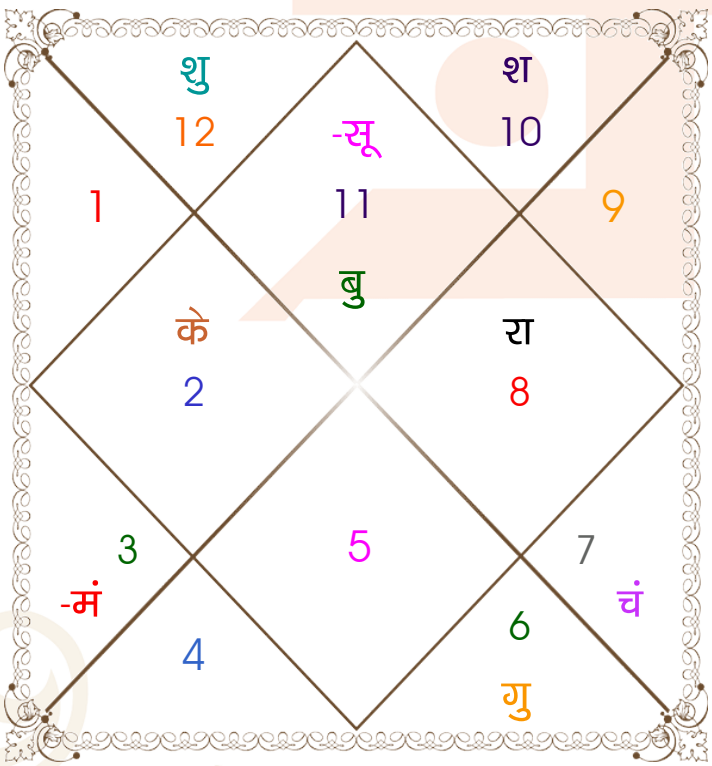

चन्द्र कुंडली

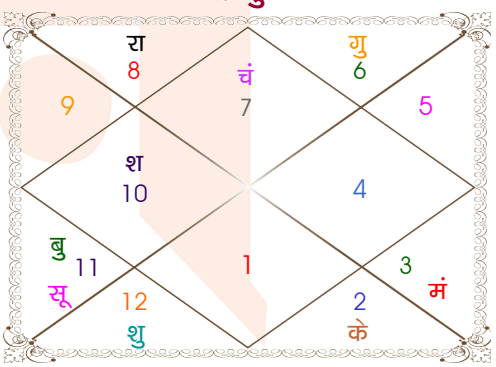

नवमांश कुंडली

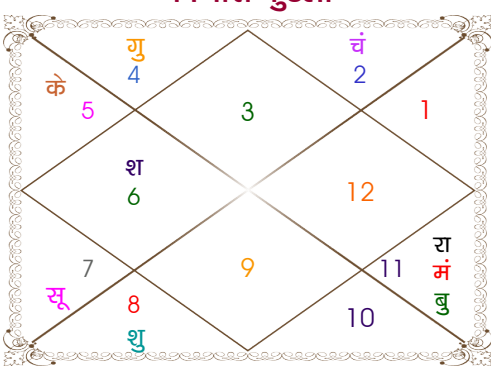

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 9 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
13/02/1993		16/11/2003		16/11/2022		16/11/2039		16/11/2046	
16/11/2003		16/11/2022		16/11/2039		16/11/2046		16/11/2066	
	00/00/0000	शनि	19/11/2006	बुध	14/04/2025	केतु	14/04/2040	शुक्र	18/03/2050
	13/02/1993	बुध	29/07/2009	केतु	11/04/2026	शुक्र	14/06/2041	सूर्य	18/03/2051
बुध	23/10/1994	केतु	07/09/2010	शुक्र	09/02/2029	सूर्य	20/10/2041	चंद्र	16/11/2052
केतु	29/09/1995	शुक्र	07/11/2013	सूर्य	16/12/2029	चंद्र	21/05/2042	मंगल	16/01/2054
शुक्र	30/05/1998	सूर्य	20/10/2014	चंद्र	18/05/2031	मंगल	17/10/2042	राहु	16/01/2057
सूर्य	18/03/1999	चंद्र	20/05/2016	मंगल	14/05/2032	राहु	04/11/2043	गुरु	17/09/2059
चंद्र	17/07/2000	मंगल	29/06/2017	राहु	01/12/2034	गुरु	10/10/2044	शनि	16/11/2062
मंगल	23/06/2001	राहु	05/05/2020	गुरु	08/03/2037	शनि	19/11/2045	बुध	16/09/2065
राहु	16/11/2003	गुरु	16/11/2022	शनि	16/11/2039	बुध	16/11/2046	केतु	16/11/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/11/2066		16/11/2072		16/11/2082		16/11/2089		17/11/2107	
16/11/2072		16/11/2082		16/11/2089		17/11/2107		00/00/0000	
सूर्य	06/03/2067	चंद्र	16/09/2073	मंगल	14/04/2083	राहु	29/07/2092	गुरु	05/01/2110
चंद्र	04/09/2067	मंगल	17/04/2074	राहु	02/05/2084	गुरु	23/12/2094	शनि	18/07/2112
मंगल	10/01/2068	राहु	17/10/2075	गुरु	08/04/2085	शनि	29/10/2097	बुध	14/02/2113
राहु	04/12/2068	गुरु	15/02/2077	शनि	18/05/2086	बुध	18/05/2100		00/00/0000
गुरु	22/09/2069	शनि	16/09/2078	बुध	15/05/2087	केतु	06/06/2101		00/00/0000
शनि	04/09/2070	बुध	16/02/2080	केतु	11/10/2087	शुक्र	05/06/2104		00/00/0000
बुध	12/07/2071	केतु	16/09/2080	शुक्र	10/12/2088	सूर्य	30/04/2105		00/00/0000
केतु	16/11/2071	शुक्र	18/05/2082	सूर्य	17/04/2089	चंद्र	30/10/2106		00/00/0000
शुक्र	16/11/2072	सूर्य	16/11/2082	चंद्र	16/11/2089	मंगल	17/11/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 9 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।